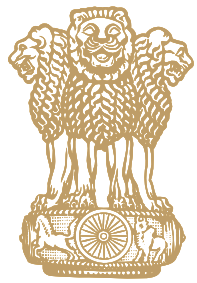

राजभवन देहरादून
द्वारा प्रकाशित

देवभूमि संवाद
राजभवन उत्तराखण्ड की पत्रिका

मार्ग दर्शकः
डा. रंजीत कुमार सिन्हा, IAS
सचिव, श्री राज्यपाल

स्वाति एस. भदौरिया, IAS
अपर सचिव, श्री राज्यपाल

संपादकः
डॉ. नितिन उपाध्याय

सह संपादकः
डॉ. संजू प्रसाद ध्यानी

सहयोगः
अजनेश राणा
प्रदीप असवाल

फोटो गैलरीः
विकास चौहान
चन्द्र बल्लभ पंत

कैमराः
ललित मोहन

वर्ष - 4
अंक - 1
सितम्बर 2021 - अप्रैल 2022

प्रकाशक :
राजभवन, देहरादून

मुद्रकः
एलाइड प्रिन्टर्स, नहर वाली गली, देहरादून

ले. ज. गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम
वीएसएम (से. नि.)
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

सत्यमेव जयते

राजभवन उत्तराखण्ड
देहरादून 248 003
दूरभाष: 0135-2757400
0135-2757403

संदेश

देवभूमि और वीरभूमि उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास और राज्य की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूँ

देवभूमि संवाद के प्रिय पाठकगण एवं प्रदेशवासियों !

यह मेरे लिए गौरव का विषय है कि राज्यपाल के रूप में मुझे 'देवभूमि' और 'वीरभूमि' उत्तराखण्ड की सेवा करने का अवसर मिला है। प्रदेश की एक समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत रही है। इस प्रदेश में सैन्य परिवारों की बहुलता है। ये मेरी सेना की एक्सटेंडेड फैमिली अर्थात विस्तारित परिवार है। ईश्वर के आशीर्वाद से पहले मैं स्वयं एक सैन्य अधिकारी के रूप में देश की सेवा कर रहा था।

उत्तराखण्ड के वीर सपूतों को जन्म देने वाली माताओं, बहनों की वीरता की कहानियों से हम सब परिचित हैं। वीरांगनाओं की इस परम्परा को आगे बढ़ाने का एक सुनहरा अवसर हमारे पास है। अब सेना में बेटियों के लिए भी द्वार खुल गये हैं। ऐसे में यहां की बच्चियों को सैनिक स्कूलों, एनडीए और फौज के लिए प्रेरित कर राज्य में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखना है।

उत्तराखण्ड प्रदेश में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं उनके बुजुर्ग माता-पिता और परिवारजनों का कल्याण मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इनके स्वास्थ्य एवं सिपाहियों के सेवानिवृत्ति के पश्चात पेंशन सम्बधी समस्याओं के निस्तारण के लिए तथा सभी लाभार्थी पूर्व सैनिकों को ईसीएचएस सुविधाएं प्राप्त हों, इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करना है।

उत्तराखण्ड प्रदेश धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक रूप से अत्यन्त समृद्ध है। यहां यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे पवित्र चारधाम हैं। यहां गंगा और यमुना का मायका है, इसके साथ ही नानकमत्ता साहिब, रीठा साहिब, हेमकुंड साहिब जैसे सिख परम्परा से जुड़े गुरुओं के अनेक प्रसिद्ध एवं पवित्र तीर्थ स्थल हैं। नि:संदेह यह भूमि एक पवित्र भूमि है।

यह राज्य प्रकृति का अनोखा खजाना है। इसका सौंदर्य अलौकिक है। यहां पर्यटन, पर्यटन आधारित उद्यम, जैविक कृषि, योग-आयुर्वेद, खाद्य प्रसंस्करण पर आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर पहाड़ों में रोजगार और उद्यमिता के अपार अवसर सृजित करने की भरपूर संभावना है। वर्तमान सरकार इस दिशा में अच्छा प्रयास कर रही है। विकास की इस परम्परा को निरंतर आगे बढ़ाना होगा।

समय तेजी से परिवर्तित हो रहा है। यह टेक्नोलॉजी का युग है। राज्य दो अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से लगा है। इसलिए कनेक्टिविटी, सड़कों एवं पुलों का निर्माण भी महत्वपूर्ण है। समय के अनुसार विकास और तरक्की की नई इबारत लिखनी है। सभी को साथ मिलकर एक दूसरे का सहयोग करते हुए स्वस्थ लोकतांत्रिक परम्पराओं को आगे बढ़ाना और प्रदेश हित, देश हित में, कार्य करना है। जो अपेक्षाएं इस गरिमापूर्ण पद से राज्यवासियों को होती हैं, उन पर खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

इस भूमि के पहाड़ों, नदी, फ्लोरा-फोना, कण-कण और प्रकृति को मेरा प्रणाम। यह धरती सैनिकों, संतों और विद्धानों की है, गुरु गोबिंद सिंह जी के यही तीनों रूप हैं। इस पवित्र भूमि की सेवा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

मुझे उत्तराखण्ड प्रदेश के राज्यपाल के रूप में जो मौका दिया है इसके लिए मैं महामहिम राष्ट्रपति और माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ।

जय हिन्द!

गुरमीत

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से.नि.)
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

डा. रंजीत कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
सचिव श्री राज्यपाल

सत्यमेव जयते

राजभवन
उत्तराखण्ड देहरादून
दूरभाष (का.) : 0135-2757402

प्राक्कथन

देवभूमि संवाद का यह अंक ऐसे समय में प्रकाशित हो रहा है जब उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में ले. ज. गुरमीत सिंह (से. नि.) द्वारा पदभार ग्रहण किया गया है। यह एक अच्छा संयोग है कि इस अंक का प्रारंभ माह सितम्बर से राज्यपाल महोदय के शपथ ग्रहण से प्रारंभ हो रहा है।

राज्यपाल महोदय के शपथ ग्रहण के पश्चात् राजभवन में उनके मार्गदर्शन में अनेक नवोन्मेषी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया है। कुलपतियों का सम्मेलन, महिला सशक्तिकरण हेतु विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां, पर्यावरण संरक्षण के कार्य और सैनिकों के सम्मान में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं, साथ ही महिला सशक्तिकरण, युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए पथ प्रदर्शक गतिविधियां, राजभवन में शिव मन्दिर की स्थापना, वसन्तोत्सव का सफल आयोजन, लोक संस्कृति, अध्यात्म, योग, आयुर्वेद, मर्म चिकित्सा जैसी पारम्परिक विधाओं के संरक्षण के लिए भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों का भ्रमण करते हुए स्थानीय उत्पादों, लोक संस्कृति, लोक भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी कार्य किये गये हैं। संस्कृत भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यपाल महोदय की ओर से विशेष प्रयत्न किये गये हैं। राज्यपाल महोदय द्वारा सिख, सैनिक, महिला एवं बच्चों की भलाई, रिवर्स माइग्रेशन, उद्यमिता के विकास हेतु निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राज्य के विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह भव्यता एवं गरिमामय रूप से आयोजित किये गये हैं।

देवभूमि संवाद के इस अंक के प्रकाशन में राज्यपाल महोदय के कार्यक्रमों, दीक्षांत समारोह एवं सभी प्रकार के कार्यक्रमों को विस्तार से स्थान दिया गया है। मैं राजभवन सूचना परिसर से जुड़े सभी अधिकारियों, संपादक डॉ. नितिन उपाध्याय, सह संपादक डॉ. संजू प्रसाद ध्यानी तथा कार्मिकों को इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु किये गये सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। साथ ही राजभवन उत्तराखण्ड के अपने सहयोगियों विधि परामर्शी श्री राज्यपाल श्री अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव श्री राज्यपाल श्रीमती स्वाति एस. भदौरिया, वित्त नियंत्रक श्रीमती डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, परिसहाय श्री राज्यपाल सुश्री रचिता जुयाल एवं मेजर तरुण, कम्प्ट्रोलर श्री प्रमोद चमोली एवं अन्य सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए अपना योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि यह देवभूमि संवाद पाठकों की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।

डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा
आईएएस

डॉ. नितिन उपाध्याय
उप निदेशक

सूचना परिसर
राजभवन देहरादून

सम्पादकीय

'देवभूमि संवाद' राजभवन उत्तराखण्ड की लोक संवाद के उद्देश्य से प्रकाशित होने वाली महत्वपूर्ण पत्रिका है। उत्तराखण्ड देवभूमि के नाम से विख्यात है, यहां की संस्कृति में हर ओर दैवीय आभा दिखाई देती है। इस कारण उत्तराखण्ड राजभवन की इस पत्रिका को 'देवभूमि संवाद' के नाम से प्रकाशित किया जा रहा है।

इस पत्रिका के माध्यम से राज्यपाल महोदय की ओर से किये जाने वाले लोक संवाद को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता है। साथ ही राजभवन की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों को भी इस पत्रिका में स्थान दिया जाता है। 'देवभूमि संवाद' राजभवन के संवाद का प्रतिनिधित्व करती है। यह पत्रिका राजभवन के संवाद का एक सशक्त और प्रभावशाली माध्यम है। संवाद की यह परंपरा निरन्तर बनाये रखने तथा राजभवन के प्रतिबिंब को आम जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास है।

यह एक सुसंयोग है कि पत्रिका के इस अंक का प्रारंभ राज्यपाल ले॰ ज॰ गुरमीत सिंह, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से.नि.) के राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण करने से हो रहा है।

राज्यपाल महोदय राज्य के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए अपनी सैन्य पृष्ठभूमि में प्राप्त अनुभव, कौशल एवं उच्च आदर्शों एवं सिद्धांतों के द्वारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। राज्यपाल महोदय के महत्वपूर्ण क्रियाकलाप सभी राज्यवासियों के कल्याण के लिए एक दिशा प्रदान करने वाले हैं, वहीं भविष्य की अनेक संभावनाओं को पूर्ण करने एवं चुनौतियों से निपटने के लिए भी राह दिखाने वाले हैं।

राज्यपाल महोदय का व्यापक दृष्टिकोण उत्तराखण्ड राज्य को समृद्ध, सशक्त और स्व-उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित करने वाला है। महिला सशक्तिकरण, युवा कल्याण, नई टेक्नोलॉजी, पर्यावरण, योग, आयुर्वेद, चिकित्सा, जड़ी-बूटी आधारित लघु उद्यम, कुटीर उद्योग, जैविक खेती, रिवर्स माइग्रेशन जैसी संभावनाओं एवं समाधानों पर केन्द्रित विज़न प्रदेश को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला है।

'देवभूमि संवाद' के इस अंक में राज्यपाल महोदय द्वारा दिनांक 15 सितम्बर, 2021 को पदभार ग्रहण करने की तिथि से आगे की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर केन्द्रित विस्तृत आलेख, समाचार, फोटोग्राफ प्रकाशित किये जा रहे हैं। आशा है कि यह अंक आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप होगा।

इस अंक को हर स्तर पर उचित रूप से प्रकाशित करने हेतु प्रयत्न किया गया है, तथापि इसे और अधिक सार्थक बनाने हेतु हम निरंतर प्रयत्नशील हैं। इस पत्रिका के प्रकाशन में राज्यपाल महोदय सम्यक का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है। साथ ही हमारे मार्गदर्शक सचिव श्री राज्यपाल डॉ॰ रंजीत कुमार सिन्हा, अपर सचिव, श्रीमती स्वाति एस॰ भदौरिया, परिसहाय श्री राज्यपाल, सुश्री रचिता जुयाल, मेजर तरुण कुमार का इस पत्रिका के सफल संपादन में सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। साथ ही मेरे सहयोगी सह संपादक डॉ॰ संजू प्रसाद ध्यानी, सूचना अधिकारी अजनेश राणा, प्रदीप असवाल, फोटोग्राफर विकास चौहान, चन्द्र बल्लभ पंत, कैमरामैन ललित मोहन सहित अन्य सभी सहयोगियों को भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आशा है कि सुधि पाठकों को पत्रिका पसंद आयेगी। पत्रिका को और अधिक परिमार्जित किये जाने हेतु सुझाव iorajbhawan010@gmail.com आमंत्रित करता हूँ।

(डॉ. नितिन उपाध्याय)

अनुक्रमणिका

लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने ली राज्यपाल पद की शपथ	2
'वैष्णव जन तो तेने कहिये' की संगीतमय धुन राजभवन में गांधी और शास्त्री जयंती का उल्लास	14
शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए राज्यपाल	15
प्रदूषण ज्वलंत वैश्विक समस्या, समाधान के लिए उपाय खोजने जरूरी	18
राज्यपाल ने महानवमी के अवसर पर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की	20
लिथुआनिया के राजदूत की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट में शैक्षणिक सम्बन्धों पर चर्चा	21
संकल्प कोचिंग संस्थान के कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा – युवाओं की देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका	22
राज्यपाल ने कहा – राष्ट्रीय सैनिक संस्था का राष्ट्रभक्ति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान	25
राज्यपाल ने किया गोर्खाली कम्युनिटी रेडियो स्टेशन "घाम छाया" का उद्घाटन	30
कुलपतियों की बैठक में राज्यपाल ने कहा – विश्वविद्यालय स्वायत्तता का महत्व समझें	32
जनपद भ्रमण के दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत पौड़ी पहुंचे राज्यपाल	34
राज्यपाल टिहरी पहुंचे कहा – सरकार की योजनाओं का लाभ धरातल पर दिख रहा है	37
राज्यपाल ने कहा – भूतपूर्व सैनिक किसी भी समस्या के समाधान एवं सहायता के लिए सीधे सम्पर्क करें	40
श्री बद्रीनाथ धाम पहुँचे राज्यपाल भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की	43
दीपावली मनाने सीमा पर जवानों के बीच पहुंचे राज्यपाल, कहा – सरहदों पर तैनात देश के जवानों पर हमें गर्व है	44
केदारनाथ धाम पहुंचे माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ राज्यपाल, जगद्गुरु शंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण किया	46
उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राज्य स्थापना दिवस	48
राज्यपाल ने कहा – लोकपर्व मनाने अपने गांव आएं प्रवासी, उत्तराखण्ड को सांस्कृतिक राजधानी बनायें	57
राज्यपाल ने कहा – जनजातीय संस्कृति पर्यावरण और लोक कलाओं की हितैषी	60
राज्यपाल ने कहा – प्रत्येक तहसील में छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर काउन्सलिंग फेस्टिवल आयोजित किये जाएं	64
राज्यपाल केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मिले	68
सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी की राज्यपाल से भेंट	69
पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ ने राज्यपाल से मुलाकात की	70
रियर एडमिरल लोचन सिंह पठानिया ने राज्यपाल से भेंट की	71
विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचंद अग्रवाल ने राज्यपाल महोदय से भेंट की	72
बाबा जसवंत सिंह रावत की बहन श्रीमती राजेश्वरी नेगी तथा श्रीमती रेनू बिष्ट ने राज्यपाल महोदय से भेंट की	73
संविधान दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने कहा – संविधान हमारा मार्गदर्शक	76
पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा – नई शिक्षा नीति में भारत को सुपर पावर बनाने का लक्ष्य	79
देव संस्कृति विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती उत्सव, राष्ट्रपति महोदय के साथ शांतिकुंज पहुंचे राज्यपाल महोदय	83
राष्ट्रपति महोदय ने रुद्राक्ष का दिव्य पौधा रोपित कर किया दिल्ली के लिए प्रस्थान	85
भारतीय नौसेना दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस पहुंचे राज्यपाल, कहा – भारतीय सेना के कारण हमारी सीमाएं सुरक्षित	86
सैनिक स्कूल कपूरथला पहुंचे राज्यपाल, कहा – सैनिक स्कूल एक विलक्षण संस्थान	89

हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संबोधन 91
राज्यपाल महोदय ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से भेंट की 98
राज्यपाल महोदय ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे से भेंट की 100
दिल्ली विश्वविद्यालय में राज्यपाल महोदय ने कहा – पुस्तकालय हमारे ज्ञान-विज्ञान, सभ्यता और संस्कृति के केन्द्र बने 102
दून विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया 104
राज्यपाल महोदय ने सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में शक्ति सैनिक स्मारक का लोकार्पण किया 107
राज्यपाल महोदय से राजभवन में प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षकों के समूह ने भेंट की 109
राज्यपाल महोदय नैनीताल राजभवन पहुंचे, कहा – नैनीताल के कारण विश्व पटल पर उत्तराखण्ड की विशिष्ट पहचान 112
वसंतोत्सव की खास तैयारी – राज्यपाल महोदय के निर्देश पर राज भवन में बनी अलग-अलग पुष्पवाटिकाएं 114
राज्यपाल महोदय ने राजभवन में परंपरा के अनुसार ट्यूलिप बल्ब रोपित किये 115
राज्यपाल महोदय का जनपद चम्पावत भ्रमण कार्यक्रम 116
हिल मेल के रैबार कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय ने कहा – सीडीएस जनरल बिपिन रावत हमारे देश के गौरव 118
राज्यपाल महोदय का उधमसिंह नगर दौरा, कहा – उधमसिंह नगर बने कृषि क्रांति का केन्द्र 120
भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी उधमसिंह नगर के सदस्यों से मिले राज्यपाल महोदय, कहा – हेल्थ सिक्योरिटी आज की सबसे बड़ी जरूरत 123
राज्यपाल महोदय से उधमसिंह नगर जिले के भूतपूर्व सैनिक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की 124
राज्यपाल महोदय ने पंतनगर में महिला स्वयं सहायता समूहो द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया 125
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल महोदय ने कहा – भारत को समृद्ध बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका 126
राज्यपाल महोदय ने राजभवन के कार्मिकों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की 128
राज्यपाल महोदय पिथौरागढ़ के अंतिम गांव गुंजी पहुंचे, बीआरओ, सेना तथा एसएसबी के जवानों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी 130
राज्यपाल महोदय तथा फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर ने आम की अरुणिमा किस्म के पौधे का रोपण किया 132
उत्तराखण्ड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक श्री एम.पी.एस बिष्ट से हुई मुलाकात में राज्यपाल महोदय ने कहा –
स्पेस टेक्नोलॉजी का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति के द्वार तक पहुंचे 135
कुलपतियों के साथ बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा – रोडमैप तैयार कर चुनौतियों के समाधान के लिए कार्य करें विश्वविद्यालय 136
राजभवन में भारतीय वन सेवा अधिकारियों ने राज्यपाल महोदय से भेंट की 139
राज्यपाल महोदय ने कहा – रेडक्रॉस के साथ अधिक से अधिक लोग जुड़ें 141
राज्यपाल महोदय ने राज्य मुख्य सूचना आयुक्त तथा राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलवाई 142
राज्यपाल महोदय से राजभवन में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों ने मुलाकात की 143
"वीर बाल दिवस" साहिबजादों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि, राजभवन में सिक्ख प्रतिनिधियों के मध्य राज्यपाल महोदय का संबोधन 146
'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर युवाओं से राज्यपाल महोदय ने संवाद किया 148
राज्यपाल महोदय ने लोहड़ी पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं प्रगति की कामना की 150
राज्यपाल महोदय ने महिला सशक्तीकरण पर लिखी गई पुस्तक "पावर विमेन" का विमोचन किया 152
राजभवन में कोविड काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मी सम्मानित 154
मतदाता निर्भीकता से अपने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करें – राज्यपाल 156
मतदाता होने पर गर्व महसूस करें युवा – राज्यपाल 158
राजभवन में ध्वजारोहण, हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस 159
बीआरओ की जांबाज नारी शक्ति भारत के संविधान में स्त्री-पुरुष को दिए गए समानता के अधिकार का उत्कृष्ट उदाहरण 163
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा – एनसीसी कैडेट्स की संख्या सत्तर हजार किए जाने की जरूरत 165

'अपना घर अनाथालय' के 50 बच्चों के साथ सादगी के साथ मनाया राज्यपाल महोदय ने अपना जन्मदिन 167
टर्बन ट्रैवलर के नाम से लोकप्रिय श्री अमरजीत सिंह चावला ने राज्यपाल महोदय से मुलाकात की 170
राज्यपाल महोदय ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दी 172
राज्यपाल महोदय से राज्यसभा सांसद श्री सुभाष चंद्र गोयनका ने शिष्टाचार भेंट की 173
राज्यपाल महोदय ने कहा – वन्य प्राणियों के संरक्षण में वन सेवा के अधिकारियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका 174
राज्यपाल महोदय ने कहा कृषि वैज्ञानिकों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ किसानों को मिले 175
राजभवन में होगा उत्तराखण्ड की स्थानीय एवं शास्त्रीय ललित कलाओं के संवर्धन हेतु एडवाजरी बोर्ड का गठन 176
राजभवन में 'राष्ट्र, मतदान और लोकतंत्र' विषय पर अन्तर-विश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 177
भारतीय खोजकर्ताओं तथा सर्वेक्षकों के योगदान पर सेमिनार किए जाएं 179
राज्यपाल ने कहा राज्य के उभरते वैज्ञानिक बनें "गेम चेंजर" रिवर्स माइग्रेशन से उत्तराखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदल दें 181
नेशनल फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय सचिव श्री संतोष चतुर्वेदी और सदस्य राज्यपाल महोदय से मिले 182
राज्यपाल महोदय तथा राज्य की प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने राज्य विधान सभा हेतु मतदान किया 183
'संत रविदास जयन्ती' पर राज्यपाल महोदय ने दिया शुभकामना संदेश 185
राज्यपाल महोदय सिकंदराबाद तेलंगाना, स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट पहुंचे, रक्षा सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया 186
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने राजभवन उद्यान में कार्यरत श्रमिकों को पुरस्कृत किया 188
बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए अच्छा वातावरण बने 189
राज्यपाल महोदय ने राजभवन में कारागार सुधार समिति की बैठक ली 190
राजभवन में राज्यपाल से पूर्व सैनिक संगठन पिथौरागढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की 191
राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में वसंतोत्सव आयोजन हेतु विभागों की योजना बैठक 192
'इंडियास इंटरनेशनल मूवमेंट टु यूनाइट नेशंस' की वीडियो कॉन्फ्रेंस को राज्यपाल महोदय ने संबोधित किया 194
भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ जल संसाधन सौंपना प्रत्येक भारतीय का पवित्र कर्तव्य 197
राज्यपाल महोदय से राजभवन में भारत संचार निगम लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार जैन ने मुलाकात की 201
वंसत उत्सव देहरादून की पहचान 202
राजभवन में महिला सशक्तीकरण हेतु प्रभावी कार्ययोजना बनाने हेतु चर्चा 212
सीमांत क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन को मिले बढ़ावा 214
वसंतोत्सव के अवसर पर राजभवन में सजी दो दिवसीय आर्ट गैलरी 216
राजभवन में वसंतोत्सव का हुआ समापन, विजेताओं को राज्यपाल महोदय ने किया पुरस्कृत 217
तकनीकी कुशलता और इनोवेटिव सोच दिखाएगी युवाओं को तरक्की की नई राह – राज्यपाल 221
राज्यपाल महोदय ने कहा – ग्लोबल मैप पर कल्चरल हब के रूप में उभरे उत्तराखण्ड 225
राजभवन में 9 वर्षीय बालक अथर्व त्यागी ने मुलाकात की 229
राज्यपाल महोदय ने नेत्रहीन बच्चों के साथ राजभवन में मनाई होली 230
होली पर्व के अवसर पर राज्य के आईएएस तथा आईपीएस अधिकारियों ने मुलाकात कर होली की शुभकामनाएं दी 232
उत्तराखण्ड में उपराष्ट्रपति जी का राज्यपाल महोदय ने किया स्वागत 233
श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्यपाल महोदय को मंत्रिमण्डल गठन का पत्र सौंपा 237
शहीद दिवस के अवसर पर राजभवन में शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि 238
शहीद दिवस पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था की ओर से कार्यक्रम आयोजित 239
राज्यपाल महोदय ने मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमण्डल सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई 240

राजभवन में नॉर्वे के राजदूत हैनस जैकब फ्राइडिनलुंड ने राज्यपाल महोदय से मुलाकात की 243

राष्ट्रपति महोदय के कर कमलों से राजभवन में बोनसाई गार्डन का लोकार्पण 245

राजभवन में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए राज्यपाल महोदय की नई पहल 250

राज्यपाल महोदय बच्चों के साथ राजभवन सभागार में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "परीक्षा पर चर्चा" कार्यक्रम में शामिल हुए 252

राज्यपाल महोदय से शहीद भगत सिंह सेवादल के संस्थापक डॉ. जितेंद्र सिंह शंटी ने मुलाकात की 256

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह से उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास के अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की 258

महाष्टमी पर्व पर राजभवन में कन्या पूजन 260

राज्यपाल महोदय से निशानेबाज जसपाल राणा तथा राष्ट्रीय निशानेबाज श्रीमती आरुषि राणा ने शिष्टाचार भेंट की 261

राज्यपाल महोदय से राजभवन में यूक्रेन से आये एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे उत्तराखण्ड के छात्रों ने मुलाकात की 262

राज्यपाल राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस के अवसर पर सर्वे ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में शामिल हुए 263

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि के लिए पाठ करवाया 266

कोविड महामारी के बावजूद जनपद बागेश्वर में अभिनव प्रयास किए गए 268

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह जनपद अल्मोड़ा पहुंचे 271

श्री गुरुग्रंथ साहिब जी के सहित श्री आनंद साहिब के पाठ के समाप्ति के अवसर पर अरदास तथा भोग में प्रतिभाग किया 274

मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा की गई 276

विश्वविद्यालयों की आन्तरिक समस्याओं का समाधान कुलपति स्तर पर ही हो जाना चाहिए 278

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल महोदय ने कहा – संस्कृत भाषा का ज्ञान देश दुनिया के लिए अनुसंधान का विषय 280

गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व पर राजनिवास में 'सालोक नौवन मोहल्ला' का पाठ किया गया 283

रूद्राक्ष का पौधा रोपित कर प्रदेशवासियों को विश्व पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दी 284

वर्चुअल माध्यम से युवाओं से जुड़े राज्यपाल महोदय 285

लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने राजभवन में शहद निकालने की प्रक्रिया का अवलोकन किया 287

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की 289

"पथ प्रदर्शक" कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को राज्यपाल द्वारा छात्रवृत्तियां प्रदान की गई 291

राज्यपाल महोदय ने बार्डर रोड आर्गनाइजेशन के बहुआयामी अभियान को फ्लैग ऑफ कर रवाना किया 293

राजभवन प्रेक्षागृह में भारतीय रेडक्रॉस समिति राज्य शाखा की 17वीं आम सभा बैठक संपन्न हुई 295

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने राजभवन में चारधाम यात्रा की तैयारियों के संबंध में शासन के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की 297

राज्य की प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर द्वारा राजभवन में फैमिली वैलफेयर कार्यक्रम आयोजित किया गया 299

उत्तराखण्ड के पूर्व राज्यपाल 301

राज्यपाल महोदय का संक्षिप्त जीवन परिचय 302

देवभूमि संवाद

राजभवन उत्तराखण्ड

लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने ली माननीय राज्यपाल पद की शपथ

उत्तराखंड के आठवें राज्यपाल के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह पीवीएसएम, वाईएसएम, एवीएसएम, वीएसम (सेवानिवृत्त) ने 15 सितम्बर को राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण की। राज्यपाल महोदय को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम. राघवेंद्र सिंह चौहान ने राज्यपाल के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई ।

राज्यपाल महोदय ने शपथग्रहण समारोह के अवसर पर कहा कि उत्तराखंड की महिलाएं स्वावलंबी और बहादुर हैं। यहां की बेटियों को सैनिक स्कूलों व एनडीए के लिए प्रेरित कर राज्य में महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जाएगा।

मुख्य सचिव ने राज्यपाल महोदय की नियुक्ति के संबंध में माननीय राष्ट्रपति महोदय की ओर से भेजा गया अधिपत्र पढ़कर सुनाया। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल महोदय ने भारतीय सेना की चार मराठा बटालियन रेजीमेंट द्वारा दिए गए सम्मान गार्ड का निरीक्षण किया। समारोह में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचंद अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री श्री हरक सिंह रावत, श्री सतपाल महाराज, श्री सुबोध उनियाल, श्री अरविंद पांडेय, श्री गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन कौशिक समेत अनेक गणयमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

राजभवन में शपथग्रहण समारोह में पैतृक गांव से भी पहुंचे लोग

राज्यपाल के पैतृक गांव जलाल उसमाँ, अमृतसर, पंजाब से भी कुछ ग्रामीण करीब तीन हजार गांववासियों की शुभकामनाएं लेकर राजभवन पहुंचे और शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। अपने गांव के व्यक्ति के राज्यपाल बनने पर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। समारोह में राज्यपाल के परिजनों, स्कूल-कॉलेज और सेना में सेवा के दौरान रहे मित्र और सहपाठी भी शामिल हुए।

देवभूमि को मिला सैन्य सम्मान, सेना की पृष्ठभूमि से राज्यपाल महोदय ने कहा-पूर्व सैनिक व उनके परिवार मेरी प्राथमिकता

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) प्रदेश के पहले सैन्य पृष्ठभूमि वाले राज्यपाल हैं। स्व. सुरजीत सिंह बरनाला के बाद वह राज्य के दूसरे सिख राज्यपाल हैं। सुरजीत सिंह बरनाला उत्तराखंड के पहले राज्यपाल थे। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व सैनिक, सैनिकों के बुजुर्ग माता-पिता और परिवार उनकी प्राथमिकता हैं। वे इनके स्वास्थ्य, पेंशन संबंधी समस्याओं के निस्तारण, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के लिए काम करेंगे।

पवित्र भूमि की सेवा करना सौभाग्य की बात

राज्यपाल महोदय ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड पवित्र भूमि है, इसकी सेवा करना सौभाग्य की बात है। यहां यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ चार धाम हैं। यह गंगा और यमुना का मायका है। नानकमत्ता साहिब, रीठा साहिब, हेमकुंड साहिब जैसे अनेक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल हैं। उन्होंने राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया कि उनको उत्तराखंड का राज्यपाल बनने का मौका दिया गया।

उत्तराखंड प्रकृति का खजाना, रोजगार की अपार संभावना

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य प्रकृति का खजाना है। इसका सौंदर्य अलौकिक है। उत्तराखण्ड में पर्यटन आधारित बिजनेस, जैविक कृषि, योग-आयुर्वेद, खाद्य प्रसंस्करण पर आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर पहाड़ों में रोजगार और उद्यमिता के अपार अवसर पैदा किए जा सकते हैं। वर्तमान सरकार इस दिशा में अच्छा प्रयास कर रही है।

वीर सपूतों को याद कर कहा- तरक्की की नई कहानी लिखनी है

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है। यह टेक्नोलॉजी का युग है। राज्य दो अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से लगा है। इसलिए कनेक्टिविटी, पुल, सड़क, टनल का संपर्क भी महत्वपूर्ण है। हमें समय के अनुसार विकास और तरक्की की नई इबारत लिखनी है।

राज्यपाल ने प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा और परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल धन सिंह थापा के साहस, शौर्य और पराक्रम को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उत्तराखण्ड से राष्ट्र सुरक्षा के लिए सम्मानित महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र प्राप्त करने वाले वीर योद्धाओं को नमन किया।

पद ग्रहण करने के पश्चात् राज्यपाल गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब पहुंचे, प्रदेश की खुशहाली के लिए की अरदास

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब पहुंच कर मत्था टेकते हुए उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) श्री गुरमीत सिंह एवं प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) पदभार ग्रहण करने के पश्चात सर्वप्रथम गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहब पहुंचे और मत्था टेक कर प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की। इसके उपरान्त उन्होंने गुरुद्वारा परिसर में झाड़ू लगाई। तदुपरान्त लंगर में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान राज्यपाल महोदय के साथ उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी भी रहे। गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष व सम्मानित सभी सदस्यों ने राज्यपाल महोदय को सरोपा भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि मुझे आज बहुत खुशी हो रही है कि आज गुरु के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, यहां आकर मुझे आप लोगों का जो स्नेह व आशीर्वाद मिला है, उससे मैं अभिभूत हूँ। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस प्रकार सभी का आशीर्वाद मिलेगा तो मुझे उत्तराखण्ड की सेवा करने में और बल मिलेगा। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री जी को राज्यपाल के रूप में दायित्व देने के लिए उनको धन्यवाद दिया और कहा कि मैं अपने इस संवैधानिक पद का निर्वहन एक सैनिक की तरह पूरी निष्ठा से करूंगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जो सम्मान मुझे मिला है, वह सिक्ख समुदाय के हर व्यक्ति का सम्मान है। सच्चे बादशाह गुरु नानक देव जी ने हमको सरलता, नम्रता, करुणा, सेवा आदि का जो सबक सिखाया है, वह बहुत ही अच्छा मार्गदर्शन है। आज मैंने श्री गुरुनानक देव जी से प्रार्थना की है कि उत्तराखण्ड की पावन धरती जिसमें चार धाम, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब व नानकमत्ता साहिब हैं, मुझे उनका आशीर्वाद प्राप्त हो जिससे मैं अपना एक-एक क्षण उत्तराखण्ड की सेवा में लगाऊं।

राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण के पश्चात् राज्यपाल महोदय तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से शिष्टाचार भेंट करते हुए

CELESTIAL MUSICIANS

राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण के पश्चात् राज्यपाल महोदय तत्कालीन उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू से शिष्टाचार भेंट करते हुए

राज्यपाल महोदय नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट करते हुए

राज्यपाल महोदय नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट करते हुए

'वैष्णव जन तो तेने कहिये' की संगीतमय धुन

राजभवन में गांधी और शास्त्री जयंती का उल्लास

राजभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में राज्यपाल महोदय ने उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई। राजभवन में इस अवसर पर आयोजित भजन कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में गांधी जी के प्रिय भजन – "वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीर पराई जानि रे" तथा "रघुपति राघव राजा राम" की भातखण्डे संगीत महाविद्यालय देहरादून, के कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इस सुंदर प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय हो गया। राज्यपाल ने सभी संगीत कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की।

इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, वित्त नियंत्रक श्रीमती तृप्ति श्रीवास्तव व राजभवन के अन्य अधिकारीगण एवं कार्मिक उपस्थित थे।

शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए राज्यपाल

शांतिकुंज परिसर में 100 फीट ऊँचे राष्ट्रध्वज का लोकार्पण किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। राज्यपाल महोदय ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांति कुंज, हरिद्वार में स्थापित 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में स्थित महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना की और महाकाल से राज्य की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित शौर्य दीवार पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि मेरे लिए यह गौरव का क्षण है। राष्ट्रीय ध्वज हर भारतीय की आन-बान, शान एवं गौरव का प्रतीक है। मैं एक फौजी भी हूँ। यदि एक फौजी को तिरंगा

फहराने और तिरंगे से जुड़े गौरवपूर्ण कार्य में शामिल होने का अवसर मिले तो इससे अधिक सौभाग्य का विषय कोई नहीं हो सकता। यह ध्वज एक आइकन है, एक प्रेरणा है।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि वे बचपन में जब भी राष्ट्रीय ध्वज को देखते थे तो उन्हें एक आत्मीय हर्ष और उल्लास होता था। उन्होंने कहा कि बचपन में अपने आप मेरा दाहिना हाथ उठ कर तिरंगे को सलाम करता था। उनका सेना में जाकर देश सेवा करने का स्वप्न बाल्यकाल से ही था। वे कैप्टन बनना चाहते थे। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है। हमने हमेशा यही सकंल्प लिया तथा इसी ध्येय के साथ जीवन जिया। राष्ट्रीय सुरक्षा प्राणों से ऊपर रही है। उन्होंने कहा "मैंने एक सैनिक की भूमिका में जीवन बिताया है, हर रोज राष्ट्रीय ध्वज को अंतरात्मा ने श्रद्धा की दृष्टि से देखा है। जब भी कोई सैन्य चुनौती सामने आयी, यही एहसास मन में रहा है कि अगर प्राणों की आहुति हुई तो यह एक सर्वोच्च सौभाग्य होगा। किसी भी सैनिक के लिए उसका पार्थिव शरीर इसी तिरंगे में लपेटा जाए, यही अंतिम अभिलाषा होती है।" राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में प्रत्येक व्यक्ति सैनिक है। देश में प्रथम परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले एक उत्तराखण्डी थे, यह गर्व का विषय है।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि भारत की संप्रभुता और अखण्डता बनाये रखना तथा हर मैदान फतह करना और वहाँ तिरंगे को लहराता देखना, हर एक सैनिक का अंतिम लक्ष्य होता है। यह जज्बा हमारी संस्कृति से आता है। आज जो ध्वज लहरा रहा है, यह हर भारतीय, सैनिक, संत और विद्वानों के बलबूते पर ही सम्भव हो पाया है।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि भारतवर्ष की जड़ें बहुत गहरी हैं, हमारी अनन्य सभ्यता रही है। यह तिरंगा, ना केवल तीन रंगों और अशोक चक्र का मेल है बल्कि, अपने आप में भारत की आत्मा, शान, साहस, ज्ञान और पराक्रम को भी अपने में समाहित किये हुए है। यह हमारे लिए एक लक्ष्य और मार्ग दर्शन का स्रोत भी है।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के उचित प्रयोग हेतु राष्ट्रीय ध्वज संहिता में वर्ष 2002 में संशोधन करते हुए और स्वतंत्रता के वर्षों बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्ट्रियों आदि संस्थानों में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई है। बशर्ते कि राष्ट्रीय ध्वज संहिता का कड़ाई से पालन हो और अनुशासन का पालन किया जाए।

गायत्री तीर्थ शांतिकुज (हरिद्वार) में स्थापित महाकाल मंदिर में जलाभिषेक करते राज्यपाल महोदय

माननीय राज्यपाल महोदय शौर्य दीवार पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की समृद्ध संस्कृति है, जिसमें नैतिक मूल्यों के साथ-साथ एक आदर्श जीवन पद्धति की भी शिक्षा दी जाती है। मानव जीवन के लक्ष्यों का निर्धारण इसी संस्कृति के द्वारा सम्भव है। संस्कृति हमें शिक्षा के साथ-साथ विद्या, व्यापार, पर्यावरण और जीवन के अन्य महत्वपूर्ण आयामों से जोड़ती है। एक सुसंस्कृत और आदर्श जीवन के लिए जिन मूलभूत तत्वों की आवश्यकता है, उन सभी का समायोजन भारतीय संस्कृति में है। यह केवल भौतिक सुखों का ही अनुभव नहीं कराती, इसी के साथ आध्यात्मिक उन्नयन हेतु उच्च अनुभूतियों का ज्ञान भी कराती है। कोविड के दौरान पूरे विश्व में नमस्कार को महत्व मिला। आज पूरा विश्व नमस्कार करता है। यह ज्ञान हमारी संस्कृति ने ही दिया। राज्यपाल ने गायत्री मंत्र के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि एक सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज का जो स्वप्न पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने देखा था, सभी उसे पूरा करने के लिए कृत संकल्पित हैं। विद्यार्थियों को "निश्चय कर अपनी जीत करूं" के वाक्य के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्रवाद की भावना और भारत माता के प्रति हमारी श्रद्धा और समर्पण ही है जिसने भारतीय संस्कृति को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति का दर्जा दिया है। हमारी भारतीय संस्कृति आज भी प्रखर और तेजस्वी है। यह हमारे वीर जवानों का साहस और शौर्य ही है जिसने हमें एक महान राष्ट्र के रूप में लगातार शक्तिशाली बनाया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आप सभी ने उत्तराखण्ड की धरती पर ज्ञान और जीवन-मूल्य का पाठ सीखा है। इसलिए यह आपका नैतिक दायित्व है कि प्रदेश के विकास में भी आपकी भूमिका अहम हो। आप जहां भी रहें, जहां भी कार्य करें, प्रेम, करुणा, अहिंसा, सहयोग जैसे मानवीय मूल्यों को जीवित रखते हुए देवभूमि के ब्रांड अंबेसडर बनकर कार्य करें, यही मेरी आप सबसे अपेक्षा है।

पूज्य आचार्य जी के सपनों का यह विश्वविद्यालय आज भारतीयता और भारतीय संस्कृति को जीवित रखने में सहायक हो रहा है। आज के युग में ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है, जिनमें शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक, आध्यात्मिक, भावनात्मक एवं चरित्र निर्माण का शिक्षण-प्रशिक्षण दिया जाता हो। यह विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति भी गम्भीर है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने कहा कि आज का दिन विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक है। यहां एक सैनिक द्वारा आज तिरंगे को फहराया गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह ने विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर "रेनेसां" का विमोचन किया।

इस अवसर पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय के विश्व गायत्री परिवार प्रमुख एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या, कुलपति श्री शरद पारधी, प्रति-कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या एवं कुलसचिव, समस्त आचार्यगण, विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रदूषण ज्वलंत वैश्विक समस्या, समाधान के लिए उपाय खोजने जरूरी

10वां एक्सीड पर्यावरण और सीएसआर पुरस्कार और सम्मेलन

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने 10वें एक्सीड पर्यावरण और सीएसआर पुरस्कार और सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। 'कोविड-19 के दौरान और उसके बाद पर्यावरण प्रबंधन' विषय पर केन्द्रित इस सम्मेलन में राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज विश्व की सबसे ज्वलंत समस्याओं का समाधान हमारी प्रकृति, संस्कृति एवं समाज के साथ-साथ हर व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन की पहल निश्चित ही हर भारतीय को एक अलग ही दिशा, गति और स्तर पर समाधान की ओर ले जायेगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि एक बार जब समाधान निकालने का निश्चय करते हैं तो सब कठिनाइयों के हल हमें मिलने लगते हैं। दशम गुरु श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने कहा था कि "निश्चय कर अपनी जीत करो"।

उन्होंने कहा कि हम वैक्सीन के निर्माण में आत्मनिर्भर हुये हैं तो इसके पीछे कुशल मैनेजमेंट, सोच और मजबूत लीडरशिप है। हमने एक दिन में दो करोड़ से अधिक वैक्सीनेशिन का रिकॉर्ड बनाया। कल ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने योग नगरी, आध्यात्मिक नगरी, पर्यटन नगरी ऋषिकेश से देशभर के 35 पीएएस ऑक्सीजन प्लाण्टों का लोकार्पण किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारे आज के सम्मेलन का विषय 'कोरोना पश्चात पर्यावरण प्रबंधन' है। यह अच्छी सोच है। उन्होंने आगे कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में, उद्यमों को मजबूती देने में बेहतर प्रबन्धन और नीति निर्धारण किया है। मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और उद्योगों को पूर्व की भाँति सशक्त बनाने की चुनौती को स्वीकार करते हुए हमें उम्मीद है कि इस सम्मेलन में सम्मिलित होने वाले विद्वान उक्त बातों पर चिंतन-मनन करके एक सतुंलित नीति और उपायों को साझा करेंगे जो कोरोना संकट के बाद पर्यावरणीय दृष्टि से विश्व की सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन नीति बन सके।

उन्होंने आह्वान किया कि नीतिगत सुधारों, निवेश की सुविधा, व्यापार के क्षेत्र में नये वातारण की हर कठिनाई को पार करते हुए मबजूत इरादों के साथ सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक, हेल्थ सेक्टर में संगठित होकर आगे बढें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हेल्थ सेक्टर सुविधाओं में हमने जो कर दिखाया है वह पूरी दुनिया ने देखा है कि कैसे आवश्यकता के अनुसार वेंटिलेटर का निर्माण, स्वदेशी कोविड टीके का निर्माण और दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान हमने संपादित किया, जरूरत बढ़ने पर दस गुना से भी ज्यादा ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ाया जाना, पी.पी.ई. किट के निर्यातक बनना ये किसी और ने नहीं हमारे ही वैज्ञानिक हमारे ही चिकित्सक और हमारे मैन्युफैक्चरर्स ने किया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें उद्योगों में नये-नये विचारों एवं अविष्कारों को प्रोत्साहित करना होगा। ऊर्जा की खपत को कम से कम करने का प्रयास करना होगा। वायु एव जल प्रदूषण एवं ठोस कूड़े का सही निपटान करना होगा। आशा है कि हमारी सामूहिक जागरूकता और सतर्कता कोरोना की भयावह तस्वीर को पुन: देश में आने नहीं देगी।

इस सम्मेलन से हम उद्योगों में पर्यावरण हितैषी परम्पराओं को प्रोत्साहित कर पायेंगे तथा कोरोना महामारी से प्रभावित पर्यावरण और उद्योगों में समन्वय स्थापित करने में सफल होंगे।

गौरतलब है कि सस्टेनेबल डिवलपमेंट फाउण्डेशन की यूनिट 'एक काम देश के नाम' वर्ष 2007 से सामाजिक उत्थान के कार्यों में लगी हुई है। कार्यक्रम में सस्टेनेबल डिवलपमेंट फाउण्डेशन के प्रेसिडेंट श्री राजीव बब्बर तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राज्यपाल

माननीय राज्यपाल ने महानवमी के अवसर पर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने महानवमी के अवसर पर राजभवन में कन्या पूजन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की। राज्यपाल ने राजभवन में आमंत्रित कन्याओं का पूजन कर उन्हें अपने हाथों से भोजन परोसा। राज्यपाल महोदय ने सपरिवार पारम्परिक विधि विधान से कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार भी वितरित किए।

इस अवसर पर दुर्गा पूजन की बधाई देते हुए राज्यपाल महोदय ने बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का कितना बड़ा महत्व है यह हमें दुर्गा पूजन से ज्ञात होता है। महिलाओं का सम्मान और पूजन भारतीय संस्कृति का अंग है। नारी की महत्ता को बताने के लिए हमारे पर्व मार्गदर्शन का कार्य करते रहेंगे।

लिथुआनिया के राजदूत की राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट में शैक्षणिक सम्बन्धों पर चर्चा

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से लिथुआनिया के राजदूत श्री जूलियस परानिइवविसियस तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल तथा राजदूत श्री जूलियस परानिइविसियस के मध्य, शैक्षणिक सम्बन्धों को सुदृढ़ करने तथा बेहतर शिक्षा अनुभव साझा करने के बारे में चर्चा हुई, जिसका लाभ छात्रों को मिल सके।

संकल्प कोचिंग संस्थान के कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा युवाओं की देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने नई दिल्ली में संकल्प कोचिंग संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान सिविल सेवा में सफल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि सिविल सेवा में सफल प्रतिभागी अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। वे देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भविष्य में आपको बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आशा है कि आप सभी चुनौतियों का सामना दृढ़ संकल्प के साथ करेंगे। युवा भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने में

नई दिल्ली में संकल्प कोचिंग संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सिविल सेवा में चयनित अभ्यर्थियों के साथ मंचासीन महानुभावाओं के साथ राज्यपाल महोदय

योगदान दें तथा सिविल सेवाओं के माध्यम से देश के विकास का एक नया अध्याय लिखें। आज के युवाओं से परिवार, समाज और देश को और खास तौर पर हम सबको बहुत अपेक्षाएं हैं। प्रयास किया जाना चाहिए कि ईमानदार, समाज के प्रति प्रतिबद्ध, निष्ठावान विशेषरूप से समाज के कमजोर तबकों से आने वाले युवा अधिक से अधिक सिविल सेवाओं में आयें।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मूल्यों, परम्पराओं एवं संस्कृति का सम्मान करने वाले युवाओं को पहचानना, जो राष्ट्र निर्माण में प्रशासनिक सेवाओं के माध्यम से श्रेष्ठ योगदान दे पाएं, एक बड़ा मिशन है। ईमानदारी, निष्ठा, करुणा, दयाभाव तथा दूरदर्शी गुणों से ओत-प्रोत अधिक से अधिक युवा ब्यूरोक्रेसी में आयें तो निश्चित रूप से देश का भविष्य उज्ज्वल है। एक सैनिक होने के नाते मैं तो कहूँगा कि राष्ट्रीयता तथा सेवा भावना हमारे लिए सर्वोच्च है। देश के आधुनिकीकरण तथा ट्रांसफॉरमेशन में सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे गरीब, असहाय, कमजोर तबकों तथा समाज की अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के रक्षक की भूमिका में भी होंगे।

राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे सैनिक बाहुल्य राज्य देवभूमि उत्तराखण्ड के राज्यपाल रूप में अपनी सेवाएं देने का अवसर मिला है। एक सैनिक होने के नाते मुझे इस पर और भी अधिक गर्व होता है कि देश की कुल जनसंख्या में 1 प्रतिशत से भी कम आबादी वाला छोटा सा राज्य उत्तराखण्ड देश की रक्षा सेवा में 18 प्रतिशत योगदान दे रहा है। इस राज्य के लगभग प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति सेना में है। यह राज्य पूरे देश और विश्व के लिए प्रेरणा है। उत्तराखण्ड के अधिक से अधिक युवा संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रतिभाग करें तथा सफल हों, ऐसी कामना है।

राज्यपाल ने संकल्प कोचिंग संस्थान तथा इसके संस्थापक श्री संतोष तनेजा के विजन, मिशन और प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सिविल सेवा में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, केन्द्रीय मंत्री, रेलवे, दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी श्री अश्विनी वैष्णव, संघ के सह-सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले आदि उपस्थित थे।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक, इण्डिया गेट पहुंचकर अमर जवान ज्योति पर नमन करते हुए माननीय राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राज्यपाल महोदय राष्ट्रीय समर स्मारक, इण्डिया गेट पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

राज्यपाल ने कहा – राष्ट्रीय सैनिक संस्था का राष्ट्रभक्ति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान

कॉन्सट्यूशन क्लब नई दिल्ली में राष्ट्रीय सैनिक संस्थान का कार्यक्रम

कॉन्सट्यूशन क्लब नई दिल्ली में राष्ट्रीय सैनिक संस्थान की ओर से कार्यक्रम में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था का युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान है। संस्था शहीदों के परिवारों की मदद करने, पूर्व सैनिकों के कल्याण तथा विभिन्न सामाजिक बुराइयों को खत्म करने जैसे महान लक्ष्यो को प्राप्त करने में सफल हो रही है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था एक विशिष्ट संगठन है। सैनिक व सेना के लिए जय हिन्द तथा तिरंगा सर्वोपरि है। जय हिन्द देश को एक सूत्र में जोड़ता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि राष्ट्र सेवा को समर्पित राष्ट्रीय सैनिक संस्था से एक लाख से अधिक पूर्व सैनिक तथा नागरिक जुड़ चुके हैं। यह समर्पित सदस्य शहीदों के परिवारों की मदद और भलाई तथा भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए निरन्तर प्रयासरत हैं। शहीदों का सम्मान, वीरांगनाओं तथा शहीदों के माता पिता की मदद सबका साझा दायित्व है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूर्व सैनिक अपने अनुभवों तथा ज्ञान का उपयोग राष्ट्रनिर्माण तथा समाज की भलाई में लगाएं। कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी जैसे गुण हमेशा सैनिकों के साथ रहते हैं। सैनिक हमारे देश के नेचुरल लीडर्स हैं। हम सब यथाशक्ति लोगों को राष्ट्र निर्माण और जनहित के कार्यों से जोड़ने में सहायक बनें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विद्यार्थियों को स्कूलों, कॉलेजों में ही राष्ट्रनिर्माण व समाज सेवा के कार्यों के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। सभी नागरिकों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में वर्णित मूल कर्तव्यों को अवश्य पढ़ना चाहिए तथा उनका निष्ठापूर्वक पालन करना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि तपोभूमि, सैन्य धाम उत्तराखण्ड का राज्यपाल बनना मेरे लिए गर्व का विषय है। उत्तराखण्ड देश की रक्षा सेवा में 18 प्रतिशत से अधिक योगदान दे रहा है। प्रत्येक परिवार से कम से कम एक व्यक्ति सेना में हैं। यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसे चार पवित्र धाम, सिक्ख गुरुओं के पवित्र स्थल हैं। यह गुरु गोबिन्द सिंह जी की तपभूमि भी है जो एक सैनिक, सन्त तथा विद्वान थे। उत्तराखण्ड में रिवर्स माईग्रेशन के लिए कार्य किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर मेजर जनरल (रि.) श्री पी.के. सहगल, मेजर जनरल (रि.) डॉ. विपिन बख्शी, विंग कमांडर (रि.) श्री प्रफुल्ल बक्शी, कर्नल टी पी त्यागी, मेजर सुशील गोयल एच.एच. आचार्य, डॉक्टर लोकेश मुनि, श्री राजेन्द्र बगासी व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में राज्यपाल महोदय ने मत्था टेक कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

दिल्ली, गुरुद्वारा बंगला साहिब में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

प्रधानमंत्री आवास नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह (से नि)

राज्यपाल महोदय ने किया गोर्खाली कम्युनिटी रेडियो स्टेशन "घाम छाया" का उद्घाटन

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने गोर्खाली सुधार सभा, गढ़ी कैन्ट देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में देश के पहले गोर्खाली कम्युनिटी रेडियो स्टेशन "घाम छाया" का उद्घाटन किया। ज्ञातव्य है कि यह रेडियो स्टेशन 90.0 एफएम पर सुना जा सकेगा। गूगल प्ले स्टोर से घाम छाया का एप भी डाउनलॉड किया जा सकता है। रेडियो स्टेशन का समय प्रात: 7 बजे से 11 बजे तथा सायं 5 बजे से 9 बजे तक रहेगा।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि देश का पहला गोर्खाली कम्युनिटी स्टेशन "घाम छाया" उत्तराखण्ड तथा

देशभर में रहने वाले गोर्खाली समुदाय को एकता के सूत्र में बांधने के साथ ही उनकी समृद्धशाली संस्कृति, परम्पराओं, भाषा, विरासत के संरक्षण में प्रभावी भूमिका निभाएगा। विश्वास है कि "रेडियो स्टेशन घाम-छाया गोर्खाली लोगों की आवाज बनेगा" और "उनकी कहानियाँ" न केवल गोर्खाली समुदाय बल्कि पूरी दुनिया सुन पाएगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज का समय "मीडिया तथा सोशल मीडिया" का है। फिर भी बहुत से ऐसे लोग हैं जिनकी पहुंच मुख्यधारा की मीडिया तक नहीं है। यह कम्युनिटी रेडियो स्टेशन "ऐसे कमजोर लोगों" की आवाज बन सकता है। "उनकी समस्याओं और मुद्दों" को प्रभावी ढंग से उठा सकता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो सही मायने में ग्रास रूट लेवल पर डेमोक्रेटिक मीडिया का सुन्दर उदाहरण है। कम्युनिटी रेडियो स्टेशन एक कम्युनिटी के साथ ही उस समुदाय की महिलाओं, बालिकाओं तथा युवाओं को भी सशक्त करता है। यह बच्चों में "राष्ट्रीयता की भावना" को मजबूत करने में तथा "राष्ट्र निर्माण" में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह कम्युनिटी बेस्ड डेवलपमेंट को बढ़ावा देगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड एक ऐसा राज्य है जहाँ कम्युनिटी रेडियो के कार्यक्रमों ने समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेरा मानना है कि राज्य में विकास का रोडमैप राज्य की सुन्दर संस्कृति, अनूठी परम्पराओं, विरासत तथा आपसी सद्भाव पर आधारित होना चाहिए। राज्य में कम्युनिटी रेडियो स्टेशन दूरस्थ पर्वतीय गांवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि एक रेडियो स्टेशन तभी बेहतरीन काम कर सकता है जब उसे समुदाय द्वारा अपनी सम्पत्ति माना जाता है। यह पूरे समुदाय का उत्तरदायित्व बन जाता है कि इस रेडियो स्टेशन को हर प्रकार से सहयोग दें।

माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि गोर्खाली समुदाय का देश के विकास विशेषकर रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गोरखा सैनिक लड़ाई के मैदान में अपनी वीरता तथा साहस के लिए जाने जाते हैं। हमें महावीर चक्र प्राप्त करने वाले सैनिक महावीर थापा, कैप्टन के.एस. थापा तथा परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले कर्नल धन सिंह थापा जैसे वीर गोर्खाली सैनिकों पर गर्व है। मुझे गोरखा बटालियनों के साथ काम करने के कई अवसर मिले। मेरी पलटन में गोरखा सैनिक थे। मुझे गोरखा सैनिकों की "ईमानदारी, लगन, निष्ठा तथा समर्पण" ने अत्यन्त प्रभावित किया। आज भारतीय सेना में 39 सबसे बेहतरीन इन्फेन्ट्री बटालियन गोरखा सैनिकों की हैं। हमें आप पर "गर्व" है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि मैं गोरखा सैनिकों के परिवारों को भी धन्यवाद करना चाहता हूँ जो ड्यूटी पर तैनात सैनिकों की अनुपस्थिति में घर-परिवार की देखभाल पूरी जिम्मेदारी से कर रहे हैं। कोई भी सैनिक बॉर्डर पर ड्यूटी अच्छी तरह से तब ही कर सकता है जब उसका घर पूरी तरह से सुरक्षित है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि मुझे सैन्यधाम उत्तराखण्ड में राज्यपाल के रूप में सेवा का अवसर मिला है। यह हर सैनिक का साझा सम्मान है। मेरा अनुरोध है कि राज्य में भूतपूर्व सैनिक "रिवर्स माइग्रेशन, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा जल संरक्षण" के लिए अच्छा कार्य कर सकते हैं।

सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी ने कहा कि घाम छाया रेडियो स्टेशन गोर्खाली समुदाय की संस्कृति के संरक्षण में मील का पत्थर सिद्ध होगा। सरकार राज्य में पांचवां धाम सैन्यधाम बनाने जा रही हैं। 1724 शहीदों के परिवारों को चिहिन्त किया गया है, जिनके घरों की पवित्र मिट्टी सैन्यधाम के लिए लायी जाएगी। सेना में प्रत्येक पांचवा सैनिक उत्तराखण्डी है।

इस अवसर पर ले.ज. (रि.) शक्ति गुरुंग, ले.ज. राम सिंह प्रधान, बिग्रेडियर (रि.) पी एस गुरूंग, कैप्टन पदम सिंह थापा, गोर्खाली सुधार सभा की अध्यक्ष श्रीमती मधु गुरूंग, ओएनजीसी सीएसआर हेड श्री विजय राज तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कुलपतियों की बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा विश्वविद्यालय स्वायत्तता का महत्व समझें

राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ माननीय राज्यपाल महोदय की बैठक

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा उच्च शिक्षा के अधिकारियों की बैठक ली।

इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के लिए स्वायत्तता और जवाबदेही दोनों ही अहम हैं। राज्य विश्वविद्यालय स्वायत्तता का महत्व समझें तथा जनहित के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करें। राज्यपाल महोदय ने निर्देश दिये कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति मिशन मोड पर कार्य करें तथा विश्वविद्यालयों की प्रतिष्ठा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा स्तर, छात्र-केन्द्रित व्यवस्था, ब्राण्डिंग, इमेंजिग, उच्च मापदण्ड को बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। राज्यपाल ने कहा कि आज उच्च शिक्षा में रिसर्च, तकनीकी, गुणवत्ता में निवेश का समय है।

बैठक के दौरान राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने निर्देश दिये कि राज्य में उच्च शिक्षा के उन्नयन के लिए सभी विश्वविद्यालयों को समरसता के साथ कार्य करना होगा। हमारा लक्ष्य है कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा सबको मिले। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का समन्वित प्रयासों से समाधान खोजना होगा। विश्वविद्यालयों को आधुनिकीकरण, ट्रांसफोर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटलाइजेशन व नई टेक्नोलॉजी के लिए कार्य करना है। कोविड काल ने शिक्षा जगत को स्वायत्तता के बहुत से अवसर दिये हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालय नई सोच, आधुनिकतम विचारों व रेव्यूलूशनरी विजन के संवाहक हैं। हमें अपनी प्राचीन संस्कृति, संस्कृत भाषा, आयुर्वेद के संरक्षण के साथ ही इसे आधुनिकतम तकनीकी के साथ समन्वित करके वैश्विक मंच पर पहचान दिलानी हैं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने में शैक्षणिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिये गये गांवों की जानकारी तथा कुलपतियों द्वारा अपने विश्वविद्यालयों के सम्बन्ध में विजन, मिशन एवं महत्वकांक्षाओं की जानकारी राजभवन को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने मेधावी छात्रों को राजभवन में सम्मानित करने की बात भी कही।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री राज्यपाल डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, विधि परामर्शी श्री अमित कुमार सिरोही, जी.बी. पन्त विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. तेज प्रताप, कुमाऊं विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. एन.के. जोशी, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. सुनील कुमार जोशी, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के वीसी श्री नरेन्द्र सिंह भण्डारी, दून विश्वविद्यालय की वीसी डॉ. सुरेखा डंगवाल, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वीसी श्री ओ.पी. नेगी सहित सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

जनपद भ्रमण के दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत पौड़ी पहुंचे माननीय राज्यपाल

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) जनपदों से सीधे संवाद स्थापित करने हेतु दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत जनपद पौड़ी पहुंचे। राज्यपाल महोदय ने पौड़ी में जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा आमजन से मुलाकात की और जिले के अधिकारियों को आम लोगों की समस्याओं के निदान और बेहतरी के लिए प्रयास करने के लिए कहा।

राज्यपाल महोदय ने दौरे पर जाने से पहले कहा कि यद्यपि वह पहले भी उत्तराखण्ड में कमाडिंग ऑफिसर के रूप में बटालियन को कमांड कर चुके हैं, फिर भी उत्तराखण्ड को और नजदीकी से जानने के लोगों से सीधे

मिलने और संवाद करने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक जनपद का भ्रमण कर रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने अनुरोध किया है कि स्थानीय लोग उनसे मिलें। राज्यपाल आम जनमानस से मिलने के लिए उत्सुक तथा उत्साहित हैं। वे धरातल पर जनता की स्थिति को जानना चाहते हैं। यदि कोई नागरिक राज्यपाल से इस कार्यक्रम के दौरान न मिल पाए, तो वह बाद में भी राज्यपाल से संपर्क स्थापित कर सकता है। लोग राज्यपाल से राजभवन देहरादून में भी मिल सकते हैं या पत्र लिखकर अपनी समस्याओं से अवगत करा सकते हैं। उनका एक-एक क्षण उत्तराखण्ड की सेवा के लिए समर्पित है। गौरतलब है कि, यद्यपि राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने हवाई दौरे के माध्यम से हाल ही में राज्य में आई आपदा का जायजा लिया था परंतु वह जनपदीय कार्यक्रम के तहत धरातल स्तरीय स्थिति का आकलन करेंगे। इसके पश्चात राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर राज्य हित में आवश्यक सुझाव देंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आपदा की हजारों फोटो देखने से बेहतर है कि धरातल स्तर पर वास्तविक स्थिति को जाना जाए। अत: यह दौरा महत्वपूर्ण है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह एक सैन्य अधिकारी होने के कारण अधिक से अधिक जनमानस से जुड़ना पसंद करते हैं। वह उत्तराखण्ड के आम जनमानस से मिलकर उनकी समस्याओं, चुनौतियों, आकांक्षाओं तथा अपेक्षाओं को जानना चाहते हैं। वे राज्य के प्रत्येक नागरिक से आत्मीय संबंध बनाना चाहते हैं।

जनपद पौड़ी भ्रमण के दौरान महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों से मुलाकात करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय

राज्यपाल टिहरी पहुंचे, कहा – सरकार की योजनाओं का लाभ धरातल पर दिख रहा है

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के तहत नई टिहरी पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होते हुए बताया कि जनपद टिहरी भ्रमण का उद्देश्य देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा जनहित में संचालित योजनाओं को धरातलीय स्तर पर समझना तथा जनपद की महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला मंगलदलों की सदस्यों, एनजीओ के सदस्यों से मिलकर समस्याओं से अवगत होकर समाधान की राह तलाशना है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि मुझे यह देखने को मिला कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलायी जा रही योजनाएं जनपद टिहरी गढ़वाल में जिला प्रशासन के सहयोग से धरातल पर उतर रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि मैं जनपद टिहरी गढ़वाल की महिलाओं

जनपद टिहरी के विभिन्न एनजीओ के स्टॉल का अवलोकन करते हुए राज्यपाल महोदय

टिहरी झील में पर्यटन गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए राज्यपाल महोदय

की कार्यशैली से विशेष प्रभावित हुआ हूँ। यहां की महिलाएं बहुत ही कर्मठ और जुझारू हैं। उन्होंने कहा - विभिन्न विभागों के द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी के निरीक्षण के दौरान पाया कि महिला स्वयं सहायत समूहों द्वारा स्वरोजगार से जुड़कर स्थानीय उत्पादों तथा स्थानीय कच्चे माल से विभिन्न प्रकार की उपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर स्वरोजगार के क्षेत्र में एक मिशाल पेश की गयी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि टिहरी गढ़वाल की महिलाओं के वृक्षारोपण, नशा उन्मूलन व अन्य सामाजिक कार्यों से भी मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ। उन्होंने कहा कि बालमा ग्राम की युवा प्रधान शीला नेगी की लीडरशिप, कुटठा ग्राम की प्रधान शांति रावत के नशा उन्मूलन कार्यों एवं प्रतापनगर क्षेत्र की प्रधान रूकमणी के सामाजिक कार्यों ने मुझे बहुत ही प्रभावित किया है।

राज्यपाल महादोय ने कहा कि टिहरी गढ़वाल की महिलाओं के साथ-साथ मुझे यहां के युवाओं में भी जोश देखने को मिला है। कोरोना काल में अन्य प्रदेशों व देशों से वापस लौटे प्रवासी जनपदवासी युवाओं ने सरकार की विभिन्न स्वरोजगारपरक योजनाओं का लाभ लेकर अपना खुद का व्यवसाय चलाकर प्रवासी उत्तराखण्डियों को यह संदेश दिया है कि अपने घर वापस आओ और समाज का निर्माण करो। उन्होंने कहा कि टिहरी डैम पावर प्रोजेक्ट को देखकर मुझे लगा कि हमारे इंजीनियर विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में कितना बेहतर कार्य कर रहे हैं।

राज्यपाल महादोय ने कहा कि मेरा टिहरी आने का मकसद यह जानना भी था कि जिला प्रशासन द्वारा जनपद में टूरिज्म हेतु क्या प्लान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टिहरी झील में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। उन्होंने देश-विदेश के पर्यटकों से आह्वान किया है कि वे टिहरी झील एवं टिहरी झील पर निर्मित डोबरा-चांठी पुल को देखने जरूर पहुंचें।

राज्यपाल महोदय द्वारा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रसन्नता जाहिर की गयी। उन्होंने जिला प्रशासन को उनकी बेहतर कार्यशैली के लिए बधाई दी। साथ ही महामहिम ने जिलाधिकारी को यह भी निर्देश दिये कि महिला स्वयं सहायता समूहों को बेहतर गुणवत्तायुक्त उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की समय-समय पर ट्रेनिंग अवश्य दिलायी जाय, ताकि वह अपने उत्पादों का और बेहतर ढंग से निर्माण कर सकें। साथ ही कहा कि जनजागरूकता कार्यक्रम भी समय-समय पर चलाये जाएं ताकि महिलाएं अवसरों का फायदा ले सकें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तृप्ति भट्ट, डीएफओ कोकोरोशे, सीएमओ संजय जैन, पीडी डीआरडीए आनन्द सिंह भाकुनी, डीडीओ सुनील कुमार, उपजिलाधिकारी टिहरी अपूर्वा सिंह आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा – भूतपूर्व सैनिक किसी भी समस्या के समाधान एवं सहायता के लिए सीधे सम्पर्क करें

राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा सैनिक संस्थान, सब एरिया गढ़ी कैन्ट में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन में राज्यपाल महोदय

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा सैनिक संस्थान, सब एरिया गढ़ी कैन्ट में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन में पहुँचे। दीपावली सहित आने वाले सभी पर्वो की बधाई देते हुए राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि वे स्वयं भी एक पूर्व सैनिक हैं। सभी सैनिकों का डीएनए एक है। जय हिन्द, तिरंगा, राष्ट्रप्रेम, सेवा, त्याग, समर्पण तथा बलिदान हमारे डीएनए में है, हमारे रक्त में है। राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों व सैन्य अधिकारियों के पास ट्रांसफोर्मेशनल लीडरशिप का अच्छा अनुभव होता है। ऐसी लीडरशिप से हम समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य के भूतपूर्व सैनिक किसी भी समस्या के समाधान एवं सहायता हेतु राज्यपाल से सम्पर्क कर सकते हैं। राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की मदद के लिए हर समय उपलब्ध हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों का लाभ धरातल पर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही के उनके पौड़ी एवं टिहरी जिलों के भ्रमण के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ धरातल पर दिख रहा हैं। पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाएं अपनी लगन, परिश्रम, ईमानदारी तथा कौशल से उत्तराखण्ड में क्रान्ति लाने वाली है। धरातल स्तर पर महिला स्वयं सहायता समूह माइक्रो फाइनेंसिंग के माध्यम से अच्छा कार्य कर रही हैं। राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों को समाज हित एवं राष्ट्र निर्माण के लिए अच्छा कार्य करने हेतु किसी आदेश की आवश्यकता नहीं है। वे नेचुरल लीडर्स है। जनहित के कार्यों में वे स्वयं पहल करें।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था जैसे थिंक टैंक की उत्तराखण्ड जैसे सैनिक बाहुल्य वाले प्रदेश में भी आवश्यकता है। यहां इससे सम्बन्धित एक आरएंडडी होना चाहिए। संगठन में हर स्तर पर लीडरशिप क्वालिटी को विकसित करना होगा। राष्ट्रीय सैनिक संस्था समरसता पर आधारित संगठन है जिसमें सैनिक, सन्त, महिलाएं, देशभक्त, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपना योगदान दे रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज हमारे पास ग्रासरूट लेवल पर जहाँ रिटायर्ड जवान तथा उच्च स्तर पर रिटायर्ड डिफेंस ऑफिसर्स के रूप में एक बड़ा एसेट है। जिनका गांव, जिले, राज्य तथा राष्ट्र तक के स्तर के

होलिस्टिक तथा ट्रांसफोर्मेशनल डेवलपमेंट में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।

राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि मेरे राज्यपाल कार्यकाल में सैन्यधाम उत्तराखण्ड का निर्माण मेरे लिये गौरव का विषय है। प्रदेश में बन रहा यह पंचम धाम हर सैनिक का साझा सम्मान है।

मुझे प्रसन्नता है कि केन्द्र तथा उत्तराखण्ड सरकार अपने सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिये गम्भीरता से प्रयासरत हैं। आशा है कि अधिक से अधिक पहाड़ की बेटियां भी सैनिक सेवाओं में आएंगी तथा हम सबकों गौरवान्वित करेंगी।

इस अवसर राष्ट्रीय सैनिक संस्थान उत्तराखण्ड एक्स सर्विसमैन लीग, उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक तथा अर्ध-सैनिक संगठन, पीबीओआर संगठन, पूर्व सैनिक केन्द्रीय संगठन, गोर्खाली सुधार सभा तथा अन्य ईएसएम संगठनों के प्रतिनिधियों ने राज्य में सैनिक एवं भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों के हित में सुझाव रखें। राज्यपाल ने सभी सुझावों पर यथासंभव विचार करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर कर्नल टी पी त्यागी, ब्रि. आर एस रावत, श्री गुरु पवन सिन्हा, ले. ज. शक्ति गुरूंग, में ज. ओ पी सोनी, मे.ज. एम एल असवाल तथा बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

श्री बद्रीनाथ धाम पहुँचे राज्यपाल

भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

जनपद चमोली भ्रमण के दौरान राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) सर्वप्रथम श्री बदरीनाथ धाम के दर्शन करने पहुंचे। श्री बदरीनाथ मन्दिर में पहुंचकर राज्यपाल ने तीर्थपुरोहितों एवं श्रद्धालुओं के साथ मन्दिर में दर्शन एवं पूजन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

दीपावली की पूर्व संध्या पर श्री बदरीनाथ धाम पहुंचकर राज्यपाल ने बद्रीश पंचायत और माता लक्ष्मी के मन्दिर में पूजन कर प्रदेश की सुख समृद्धि के लिए विशेष पूजा की। इस दौरान स्थानीय प्रशासन एवं अनेक तीर्थ यात्री उपस्थित थे।

दीपावली मनाने सीमा पर जवानों के बीच पहुंचे राज्यपाल कहा - सरहदों पर तैनात देश के जवानों पर हमें गर्व है

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) दीपावली के अवसर पर सीमा पर स्थित अंतिम गांव माणा पहुंचे। यहां ईस्ट कैम्प, गढ़वाल स्काउट, माणा में सैनिकों से मिले और उनका हौसला बढ़ाया साथ ही मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों स्थानीय निवासियों और सरहद पर तैनात देश के जवानों के साथ दीपावली मनाई। अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्यपाल और मुख्यमंत्री दीपावली पर ईस्ट कैम्प, गढ़वाल स्काउट, माणा पहुंचे और सेना के जवानों के साथ मिलकर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर उन्होंने जवानों को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में सरहदों पर तैनात देश के जवानों के जोश और जुनून पर हम सबको गर्व है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के ईस्ट कैंप माणा पहुंचने पर सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया।

राज्यपाल महोदय ने सेना के जवानों में जोश भरते हुए कहा कि सेना की बहादुरी, साहस, शौर्य और पराक्रम से आज पूरा विश्व परिचित है। दीपावली पर सेना के जवानों से मुलाकात के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री बद्रीनाथ मंदिर पहुंचे और भगवान बदरीनाथ जी की पूजा अर्चना करते हुए देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भी जवानों को संबोधित किया और कहा कि सेना के जवानों के साथ दीवाली मनाने का मेरा सपना था। आज दीवाली पर आपके बीच आकर में अभिभूत हूँ। राज्यपाल के भ्रमण के दौरान बद्रीनाथ विधायक श्री महेंद्र प्रसाद भट्ट, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक यशवंत सिंह चौहान, उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए जवान

जनपद चमोली भ्रमण के दौरान सीमा पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए

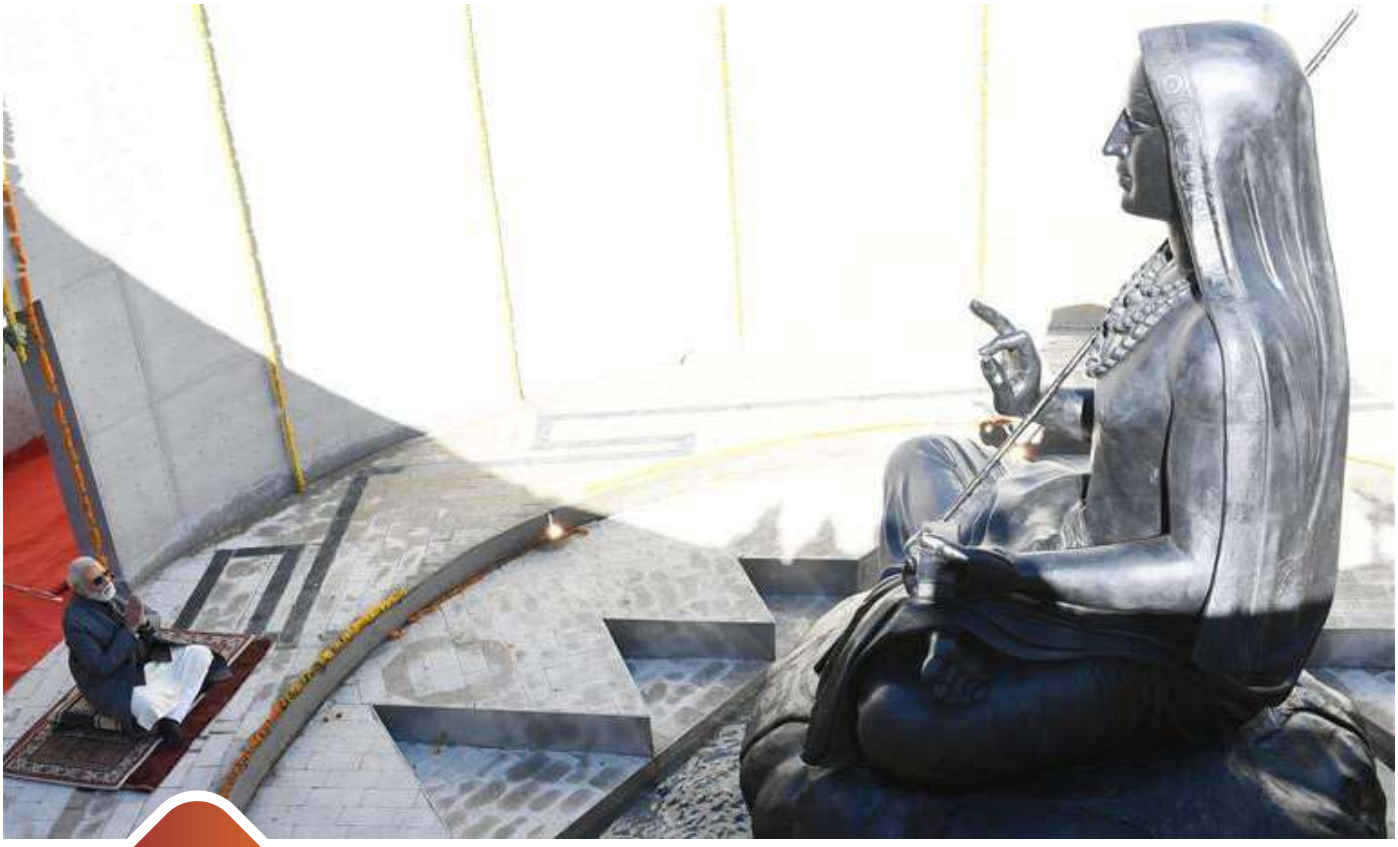

केदारनाथ धाम पहुंचे माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ राज्यपाल जगद्गुरु शंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) जनपद रुद्रप्रयाग के केदारनाथ धाम में स्थित भगवान केदारनाथ के मन्दिर परिसर में विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण एवं आदि जगद्गुरु शंकराचार्य जी की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ केदारनाथ धाम पहुंचे। केदारनाथ में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ-साथ देशभर से पहुंचे प्रसिद्ध धर्माचार्यों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हुए तथा केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही उन्होंने श्री आदि शंकराचार्य समाधि के उद्घाटन समारोह में माननीय प्रधामंनत्री जी के साथ श्री आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण किया।

इसके साथ ही यहां बुनियादी ढांचे की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इन परियोजनाओं में सरस्वती रिटेनिंग वॉल, आस्थापथ एवं घाट, मंदाकिनी रिटेनिंग वॉल, आस्थापथ, तीर्थ पुरोहित भवन और मंदाकिनी नदी पर बने गरुड़ चट्टी पुल परियोजनाएं शामिल हैं।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर में पहुंच कर बाबा केदार का आशीर्वाद लिया। गर्भगृह में प्रधानमंत्री ने पूजा की। इसके बाद पीएम मोदी ने स्वयंभू शिवलिंग की परिक्रमा भी की। पूजा के दौरान पुरोहितों ने पीएम मोदी के अगले पांच साल प्रधानमंत्री बनने की भी कामना की। इसके बाद पीएम मोदी ने आदि शंकराचार्य की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया।

इस दौरान उन्होंने वहां बैठकर मानस पूजा की। ये प्रतिमा कर्नाटक के मैसूर में तैयार की गई। कृष्ण शिला से निर्मित इस प्रतिमा को पिछले दिनों पहले गौचर और इसके बाद वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद से केदारनाथ पहुंचाया गया था।

राजभवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी के साथ राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी के साथ चर्चा करते हुए

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राज्य स्थापना दिवस

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस प्रदेश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में सलामी लेते हुए परेड का निरीक्षण किया। पुलिस दलों द्वारा राज्यपाल महोदय को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर विभागीय कार्यालयों में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा छात्र-छात्राओं ने भी विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया।

राजभवन में भी मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया एवं राज्यपाल की ओर से राजभवन में राज्य के गणमान्य व्यक्तियों को संध्याकालीन स्वल्प आहार कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। राज्यपाल के आमंत्रण पर सीडीएस जनरल विपिन रावत, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट सहित सेना एवं सिविल सेवा के उच्च अधिकारी व अन्य महानुभाव भी शामिल हुए। सभी आमंत्रित महानुभावों से मुलाकात करते हुए राज्यपाल ने सभी को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी।

राज्यपाल महोदय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में जापानी पर्यावरण मंत्रालय से मान्यता प्राप्त डेकी कम्पनी द्वारा स्थापित एसटीपी अवशिष्ट जल रिचार्ज वॉटर एटीएम का शुभारम्भ किया। यह वॉटर एटीएम 100 प्रतिशत तक जल को पुनः प्रयोग के लायक बना सकता

है। डेकी कम्पनी द्वारा भारत में 200 स्थानों पर इस प्रकार के एसटीपी अवशिष्ट जल रिचार्ज वॉटर एटीएम स्थापित करने का विचार है। इस अवसर पर राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि आज स्वच्छ जल सबसे बड़ी चुनौती है। हमारे राज्य के चार धाम में से दो धाम गंगोत्री और यमुनोत्री ऐसे जल के स्रोत है जिन्हें हम पूजते हैं। देश को 40 प्रतिशत जल उत्तराखण्ड से मिलता है। हमारा देश के प्रति बहुत बड़ा उत्तरदायित्व है। जल की स्वच्छता और संरक्षण हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए। राज्यपाल ने लोगों को जलसंचय और जल संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन से इस एसटीपी अवशिष्ट जल रिचार्ज वॉटर एटीएम के शुभारम्भ पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने युवाओं से वाटर इन्टरप्रिन्योर बनने का आह्वाहन किया। इस अवसर पर अपर प्रमुख सचिव श्री अभिनव कुमार, डेकी कम्पनी से श्री रियो वाजा, प्रोफेसर दुर्गेश पंत, शोधार्थी एव विद्यार्थी उपस्थित थे।

परेड की सलामी लेते राज्यपाल

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं अन्य महानुभाव

राज्य स्थापना दिवस पर पुलिस जवान को सम्मानित करते हुए राज्यपाल महोदय

राजभवन सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन करते राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं गणमान्य महानुभाव

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित स्वल्पाहार कार्यक्रम के अवसर पर विशिष्ट महानुभावों से मुलाकात करते हुए
राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित स्वल्पाहार कार्यक्रम के अवसर पर
राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं अन्य महानुभाव

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित स्वल्पाहार कार्यक्रम के अवसर पर विशिष्ट महानुभावों से मुलाकात करते हुए राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राजभवन में जापानी पर्यावरण मंत्रालय से मान्यता प्राप्त डेकी कम्पनी द्वारा स्थापित एसटीपी अवशिष्ट जल रिचार्ज वॉटर एटीएम कार्यक्रम के अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राजभवन में राज्य के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए तथा पुरस्कार वितरण करते हुए राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

गवर्नर्स कॉन्फ्रेंस 2021 में
माननीय उपराष्ट्रपति महोदय के निवास
पर राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (से.नि.)
एवं अन्य माननीय राज्यपाल तथा
उप राज्यपाल महानुभाव

उप राष्ट्रपति आवास, नई दिल्ली

राज्यपाल महोदय एवं प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू से मुलाकात करते हुए

गवर्नर्स कॉन्फ्रेंस 2021 में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) एवं अन्य माननीय राज्यपाल तथा उप राज्यपाल महानुभाव